लखनऊ
सोमवार, 27 नवम्बर 2023
वर्षः-08 अंकः-18
पृष्ठः-8 मूल्यः- 2 रुपये
RNI- UPHIN/2016/74800

हिन्दी साप्ताहिक

करण वाणी

नई सोच, नया जुनून.....

प्रयागराजः अल्लाह हू अकबर बोल कर काट डाली बस कंडक्टर की गर्दन

लारेब हाशमी नामक इंजीनियरिंग के छात्र ने कंडक्टर पर चापड से किया हमला

उत्तर प्रदेश के प्रयागराज से एक सनसनी फैला देना वाला मामला सामने आया है, दरअसल, यहां चलती बस में इंजीनियरिंग के लारेब हाशमी नामक छात्र ने कंडक्टर पर चापड से हमला कर दिया।

करण वाणी, न्यूज

उत्तर प्रदेश के प्रयागराज से एक सनसनी फैला देना वाला मामला सामने आया है. दरअसल, यहां चलती बस में इंजीनियरिंग के लारेब हाशमी नामक छात्र ने कंडक्टर पर चापड से हमला कर दिया. हमले के बाद युवक बस से उतरकर फरार हो गया. घटना के चलते बस में अफरा-तफरी मच गई. इसके बाद बस कंडक्टर को आनन-फानन में प्रयागराज के एसआरएन अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसका इलाज चल रहा है।

बता दें कि आरोपी इंजीनियरिंग छात्र ने हमला करने के बाद सोशल मीडिया पर अपना एक वीडियो जारी किया और बताया कि उसने बस कंडक्टर क्यों मारा? आरोप है कि घटना में इस्तेमाल हुए हथियार को रिकवर करने के लिए जब पुलिस गई तो वहां पर आरोपी इंजीनियरिंग के छात्र ने पुलिस पर फायर झोंक दिया. जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने भी गोलियां चलाईं, जो युवक के पैर में जा लगी. फिलहाल आरोपी युवक को प्रयागराज के एसआरएन अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां पर उसका इलाज चल रहा है. इस पूरे घटनाक्रम की पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

क्या है पूरा मामला?

प्रयागराज जिले के सिविल लाइंस से करछना जाने वाली इलेक्ट्रॉनिक बस सेवा में यात्रा कर रहे इंजीनियरिंग के छात्र लारेब हाशमी और बस कंडक्टर हरिकेश विश्वकर्मा के बीच किराए को लेकर विवाद हुआ. विवाद इतना बढ़ गया कि लारेब हाशमी ने बस कंडक्टर हरिकेश विश्वकर्मा पर धारदार चापड़ से हमला कर दिया, इंजीनियरिंग के छात्र लारेब हाशमी के चापड़ से हमले के बाद बस कंडक्टर हरिकेश विश्वकर्मा के गर्दन और हाथ पर चोट लग गई।

आरोपी लारेब हाशमी

आपको बता दें कि जब बस प्रयागराज नैनी के इंजीनियरिंग कॉलेज के गेट के सामने पहुंची थी उसी समय आरोपी छात्र ने कंडक्टर पर हमला किया था. जब तक बस में मौजूद दूसरे छात्र और चालक कुछ समझ पाते तब तक छात्र बस से उतर कर कॉलेज के अंदर घुस गया. दावा किया जा रहा है कि कॉलेज की तरफ भागते समय लारेब ने जमात अभी जिंदा है अल्लाह हू अकबर का नारा लगाया. सोशल मीडिया पर आरोपी इंजीनियरिंग ने एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें बस कंडक्टर पर हमला करने का उसने कारण बताया.

लारेब के अनुसार, बस कंडक्टर ने मुसलमानों को लेकर कुछ गलत बोला था इसलिए उसने हमला कर दिया. यही नहीं सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में आरोपी इंजीनियरिंग छात्र यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ का भी नाम ले रहा है. इस मामले में पुलिस अभी जांच कर रही है।

कौन है लारेब हाशमी?

मिली जानकारी के अनुसार, लारेब हासमी पुत्र मोहम्मद यूनुस हाजीगंज सोरांव का रहने वाला है और प्राइवेट इंजीनियरिंग कॉलेज के बीटेक प्रथम वर्ष का छात्र है. उसका टिकट के पैसे को लेकर कंडक्टर से विवाद हुआ था. इसी के चलते छात्र ने कंडक्टर पर हमला किया. इंजीनियरिंग के छात्र के पिता अपने गांव में पोल्ट्री फार्म चलाता है. फिलहाल पुलिस ने आरोपी छात्र को अरेस्ट कर लिया है और उससे पूछताछ कर रही है।

कार्तिक पूर्णिमा पर मां लक्ष्मी होंगी प्रसन्न

करण वाणी, न्यूज

हिंदू परंपराओं में, कार्तिक पूर्णिमा, कार्तिक के शुभ महीने में गहरा महत्व रखती है। भगवान विष्णु को समर्पित, इस पवित्र महीने में भक्त चतुर्दशी तिथि को कार्तिक के समापन के रूप में सत्यनारायण व्रत का पालन करते हैं। इस बार कार्तिक पूर्णिमा तिथि 26 नवंबर 2023 को दोपहर 03:54 बजे शुरू होकर 27 नवंबर 2023 को दोपहर 2:45 बजे समाप्त हो रही है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, इस दौरान लोग कार्तिक पूर्णिमा के दिन पवित्र नदियों में स्नान करते हैं। इस दिन भगवान विष्णु ने बाढ़ से बचने के लिए मत्स्य अवतार लिया था। इसलिए इन नदियों में स्नान करना पवित्र माना जाता है। कार्तिक पूर्णिमा पर स्नान और दान करने से पुण्य की प्राप्ति होती है। कार्तिक पूर्णिमा के दिन कुछ आसान ज्योतिष उपायों को कर-के व्यक्ति मां लक्ष्मी को प्रसन्न कर सकते हैं और इससे आपके घर में धन वृद्धि की भी संभावना है। आइए जानते हैं इन उपायों के बारे में।

करें ये 5 उपाय....

▶▶धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, कार्तिक पूर्णिमा के दिन पीपल की पूजा शुभ मानी जाती है। ऐसे में इस दिन पीपल की पूजा करने से मां लक्ष्मी की कृपा भी प्राप्त होती रहती है। ऐसे इस दिन पीपल के पेड़ में जल और दूध अर्पित करना शुभ रहेगा।

▶▶शास्त्रों के अनुसार कार्तिक महीने में तुलसी पूजन का विशेष विधान बताया गया है। मान्यता है कि तुलसी में मां लक्ष्मी का वास है। ऐसे में कार्तिक पूर्णिमा के दिन तुलसी माता का विशेष पूजन करें। साथ ही साथ उनके समक्ष घी का दीया प्रज्ज्वलित करें । ऐसा करने से मां लक्ष्मी प्रसन्न होकर सुख-समृद्धि और खुशहाली का आशीर्वाद देती हैं।

▶▶कार्तिक पूर्णिमा के दिन मां लक्ष्मी की की विधिवत पूजा-अर्चना करें और इसके बाद उन्हें चावल की खीर का भोग लगाएं। मान्यता है कि पूर्णिमा के दिन मां लक्ष्मी को खीर का भोग लगाने से आशीर्वाद प्राप्त होता है। जिसके परिणामस्वरूप जीवन में खुशहाली आती है।

▶▶कार्तिक पूर्णिमा की रात चंद्रमा अपने 16 कलाओं से परिपूर्ण होता है। रात में चंद्रमा को दूध, जल,शक्कर और सफेद फूल से अर्घ्य दें। चंद्रमा की कृपा से आपके परिवार के सुख और समृद्धि में बढ़ोत्तरी होगी।

▶▶कुंडली के चंद्र दोष को दूर करने के लिए कार्तिक पूर्णिमा पर भगवान शिव की विधिपूर्वक पूजा करें। मान्यता है कि भगवान भोलेनाथ ने चंद्रमा को क्षय रोग से मुक्ति प्रदान की थी,उनके दोषों को दूर किया था। इस वजह से पूर्णिमा को शिव आराधना करने से कुंडली का चंद्र दोष दूर हो सकता है।

लोकबंधु अस्पताल की लापरवाही से प्रसव के दौरान जच्चा-बच्चा की मौत

मृतका के भाई ने आरोप लगाते हुए दी लिखित तहरीर, कार्रवाई किए जाने की मांग

करण वाणी, न्यूज

सारोजनी नगर। लोक बंधु अस्पताल प्रशासन की लापरवाही उजागर हुई है अस्पताल प्रशासन की लापरवाही से अस्पताल में भर्ती प्रसूताऔर उसके नव जात शिशु की प्रसव के दौरान मौत हो गई। घटना के बाद जहां परिजनों में मातम छाया रहा। वही मृतका के भाईकुलदीप विश्वकर्मा ने अस्पताल प्रशासन पर गंभीर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग करते हुए एसीपी कृष्णा नगर कोशिकायती पत्र दिया है। इस संबंध में कुलदीप ने उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक के मुख्य सचिव से भी बात करके घटना के संबंध मेंजानकारी दी है।

सरोजनी नगर थाना क्षेत्र के हनुमानपुरी निवासी रविंद्र शर्मा ने अपनी पत्नी आरती शर्मा को प्रसव पीड़ा होने के बाद लोक बंधु अस्पतालमें इलाज के लिए भर्ती कराया जहां पर बच्चे के पैदा होने के बाद जच्चा और बच्चा दोनों की मौत हो गई। इस घटना के संबंध में जहांपरिजनों में मातम छाया रहा वहीं मृतका के भाई कुलदीप विश्वकर्मा ने लिखित शिकायती पत्र देकर कार्रवाई किए जाने की मांग की हैसाथ ही उन्होंने उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक के मुख्य सचिव से बात करके घटना के संबंध में जानकारी दी है। सरोजनी नगरपुलिस ने जच्चा और बच्चा के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

मृतका आरती शर्मा के भाई कुलदीप विश्वकर्मा के मुताबिक दिनांक 24 तारीख को बहन को प्रसव

पीड़ा होने के बाद उसके बहनोई औरउसकी मां मिथिलेश द्वारा लोक बंधु अस्पताल में इलाज के लिए ले जाया गया। जहां पर 25 तारीख आसपास नवजात हुआ।चिकित्सकों द्वारा जच्चा और बच्चे की हालत बिगड़ने के बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई।

कुलदीप का आरोप है कि प्रसव के बाद मौके पर मौजूद परिवार की महिला ने बताया था कि चिकित्सकों और नर्सों द्वारा बच्चे को खींचकर निकाला गया है। नवजात के जन्म के कुछ देर बाद ही बहन की हालत बिगड़ गई अस्पताल में ही उसकी बहन और नवजात की मौतहो गई। कुलदीप ने अस्पताल के चिकित्सकों पर लापरवाही किए जाने के गंभीर आरोप लगाते हुए मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई किए जानेकी मांग की है।

नेशनल यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट्स उत्तर प्रदेश ने सीतापुर जिला इकाई का किया गठन

अमरजीत सिंह अध्यक्ष, महेश शर्मा महामंत्री और विनीत पाण्डेय कोषाध्यक्ष मनोनीत

करण वाणी, न्यूज

सीतापुर। देश में पत्रकारों के अग्रणी संगठन नेशनल यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट्स उत्तर प्रदेश की जिला कार्यकारिणी का गठन रविवार कोसंगठन कार्यालय तामसेनगंज में किया गया। एनयूजे यूपी की जिला कार्यकारिणी में वरिष्ठ पत्रकार अमरजीत सिंह को सर्वसम्मति सेअध्यक्ष मनोनीत किया गया। वहीँ महामंत्री के पद पर वरिष्ठ पत्रकार महेश शर्मा और कोषाध्यक्ष के पद पर वरिष्ठ पत्रकार विनीतपाण्डेय का मनोनयन हुआ।

इस अवसर पर वरिष्ठ पत्रकार ज्ञान प्रकाश सिंह प्रतीक ने नवगठित कार्यकारिणी के पदाधिकारियों की घोषणा करते हुए कहा किसमय की मांग है कि सभी पत्रकार साथी एकजुट होकर रहें और संगठन के माध्यम से एक दूसरे का सहारा बनकर देशहित औरसमाजहित में निष्पक्षता से काम करें। उन्होंने आगे कहा कि सिर्फ एक उंगली को कोई आसानी से तोड़ सकता है लेकिन जब पाँचउँगलियाँ मिलकर मुट्ठी बन जाती हैं तो उसकी शक्ति कई गुना बढ़ जाती है।

कार्यकारिणी के अन्य पदाधिकरियों में राजेश मिश्र वरिष्ठ उपाध्यक्ष, हरिओम अवस्थी वरिष्ठ उपाध्यक्ष, संदीप श्रीवास्तव वरिष्ठउपाध्यक्ष, अभिषेक सिंह उपाध्यक्ष, अनिल विश्वकर्मा उपाध्यक्ष, शाहनवाज खान उपाध्यक्ष, योगेश श्रीवास्तव उपाध्यक्ष, वैभव दीक्षितसंगठन मंत्री, अलमास अंसारी मीडिया प्रभारी, फुएक अरशद मंत्री, रोहित मिश्र मंत्री, सूरज राय मंत्री, सुभाष शुक्ला मंत्री, अर्पित सिंहमंत्री, हर्षवर्धन भारती मंत्री, शहाब वहीद अंसारी मंत्री, अमित शुक्ला मंत्री शामिल किये गये।

वहीँ संगठन के सक्रिय सदस्यों में दिनेश मौर्या एडवोकेट, रोहित मेहरोत्रा एडवोकेट, विजय अवस्थी एडवोकेट,

राजीव श्रीवास्तवएडवोकेट, जे. डी. आजाद एडवोकेट, आशीष सिंह गौर एडवोकेट, अक्षय सहाय एडवोकेट, मिथिलेश वर्मा एडवोकेट, साकेत चौहानचौहान एडवोकेट, अनुज भदौरिया शामिल हैं संगठन के संरक्षकों में नरेश मिश्र, शत्रोहन तिवारी, ज्ञान प्रकाश सिंह प्रतीक, पंकज सिंहगौर, सुनील शर्मा, हिलाल अख्तर, अजय विक्रम सिंह, हरीश त्रिपाठी एडवोकेट, अध्यक्ष अवध बार एसोसिएशन और अध्यक्ष बारएसोसिएशन सीतापुर शामिल हैं इस अवसर पर वरिष्ठ पत्रकार अयाज अहमद, मोहम्मद अब्बास, काशिफ सलीम, दुर्गेश शुक्ल सहितकई पत्रकारगण उपस्थित रहे।

सिख आज पूरी दुनिया में छाए हैं मुगलों का कहीं अता-पता नहीं: योगी आदित्यनाथ

▶▶श्री गुरु नानक देव जी महाराज के 554वें प्रकाश पर्व कार्यक्रम में शामिल हुए सीएम योगी

▶▶जब बड़े बड़े राजा मुगलों की अधीनता स्वीकार कर रहे थे, तब सिख गुरुओं ने की देश धर्म की रक्षा

करण वाणी, न्यूज

लखनऊ। सिख गुरुओं का बलिदान केवल खालसा पंथ के लिए न होकर हिन्दुस्तान और धर्म को बचाने के लिए था। उस दौर में जबबड़े बड़े राजा महाराजा मुगल सत्ता की अधीनता स्वीकार कर रहे थे, तब सिख गुरु अपने दम पर देश और धर्म की रक्षा कर रहे थे। जिसदेश और परंपरा में इस प्रकार का जुझारूपन हो उसे दुनिया की कोई ताकत झुका नहीं सकती। खालसा पंथ की स्थापना मुगल सल्तनतके पतन का कारण बना। आज सिख पूरी दुनिया में छाये हुए हैं, मगर मुगलों की सत्ता का कहीं अताझपता नहीं है। ये सत्य और धर्म कारास्ता है। ये बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को आशियाना स्थित गुरुद्वारे में श्री गुरु नानक देव जी महाराज के 554वेंप्रकाश पर्व पर आयोजित कार्यक्रम के दौरान अपने संबोधन में कही।

बाबर के अत्याचारों के खिलाफ गुरु नानक देव जी ने बुलंद की थी आवाज

मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों को गुरुपर्व की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि प्रकाश पर्व हम सबके जीवन में गुरु कृपा से ज्ञान का प्रकाशदेता है। उन्होंने कहा कि सिख गुरुओं का त्याग, बलिदान, भक्ति, शक्ति, साधना देश और धर्म के लिए अनुकरणीय है। भारत ही नहींपूरी दुनिया में गुरु नानक जी का प्रकाश फैला है। उन्होंने लोक कल्याण और साधु सेवा में अपना जीवन समर्पित किया। मुख्यमंत्री नेकहा कि एक पक्ष भक्ति के माध्यम से साधना का है तो वहीं दूसरा पक्ष भक्ति के माध्यम से लोक कल्याण और राष्ट्र कल्याण का मार्गप्रशस्त करता है। भक्ति के माध्यम से गुरु नानक देव जी ने उस कालखंड में बाबर के अत्याचारों के खिलाफ आवाज बुलंद की थी।जातझपात और अन्य संकीर्ण विचारों से मुक्त रहकर कार्य करने की प्रेरणा हमें गुरु नानक देव जी से मिलती है।

सिख धर्म साधना के गूढ़ रहस्यों से भरा पड़ा है

मुख्यमंत्री ने मक्का की घटना का भी जिक्र किया, जब गुरु नानक देव ने एक मौलवी को ह्यएक ओमकारह्य की सीख दी। सीएम योगी नेकहा कि सिख धर्म साधना के गूढ़ रहस्यों से भरा पड़ा है। इस परंपरा ने आगे चलकर गुरु तेग बहादुर, गुरु गोविंद सिंह, उनके चारसाहबजादों और हजारों सिखों द्वारा देश और धर्म के लिए बलिदान का भी जिक्र किया। कहा कि उनका बलिदान देश को एक नईशक्ति और प्रेरणा देता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि खालसा केवल एक पंथ नहीं है, ये देश और धर्म की रक्षा के लिए गुरु कृपा से निकलाहुआ प्रकाश पुंज है। इसने विपरीत परिस्थितियों में विदेशी ताकत को झुकने के लिए मजबूर किया।

लखनऊ से निकली आवाज राष्ट्रव्यापी आवाज बन गई

सीएम योगी ने कहा 2020 में साहबजादा दिवस के कार्यक्रम को मुख्यमंत्री आवास में करने का उन्हें सौभाग्य मिला। फिर 2022 में येराष्ट्रीय स्तर का कार्यक्रम बना। सच्चे संकल्प के साथ जब हम आगे बढ़ते हैं तो वो जरूर पूरे होते हैं। लखनऊ से निकली आवाजराष्ट्रव्यापी आवाज बन गई। दशकों से साहबजादा दिवस की मांग उठ रही थी, जिसे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 26 दिसंबर 2022 कोसाहबजादा बाल दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लेकर पूरा किया। हम सब मिलकर अपने इतिहास से प्रेरणा लें। साथ ही उन क्रूरऔर काले क्षणों को भी याद करें, जब अत्याचार और बर्बरता की सारी पराकाष्ठा को पार करते हुए निर्ममता ढाई गई। आज हम स्वतंत्रभारत में पूरी मजबूती के साथ रहकर कार्य कर रहे हैं, ये हमारे सिख गुरुओं के प्रति विनम्र श्रद्धांजलि है, जो हमे चुनौतियों से जूझने कीप्रेरणा देता है। गुरु नानक जी द्वारा रखी गई इस नींव को और मजबूत करना हर सिख और हर भारतीय का दायित्व है। इसी में राष्ट्र कीसमृद्धि होगी।

इस अवसर पर मंत्री बलदेव सिंह ओलख, लखनऊ की महापौर सुषमा खर्कवाल, अध्यक्ष गुरुद्वारा साहेब प्रबंध कमेटी सरदार जसबीरसिंह चड्ढा, जसजीत सिंह बेदी, जसपाल सिंह दुग्गल, जगजीत सिंह, यूपी अल्पसंख्यक आयोग के सदस्य परविंदर सिंह सहित बड़ीसंख्या में सिख समुदाय के लोग शामिल रहे।

उत्तराखंड टनल हादसे पर पीएम ने देश से की अपील, 'मौसम हमें चुनौती दे रहा है...

करण वाणी, न्यूज

हैदराबाद में पीएम मोदी ने कहा, फंसे हुए श्रमिकों की सुरक्षित वापसी सुनिश्चित करने के लिए सरकार लगातार प्रयास कर रही है. आज जब हम भगवान से प्रार्थना करते हैं और मानवता के कल्याण की बात करते हैं तो हमें अपनी प्रार्थना में उन श्रमिक भाइयों को भी शामिल करना चाहिए जो उत्तराखंड की एक सुरंग में फंसे हुए हैं.

उत्तराखंड के उत्तरकाशी जिले में पिछले 16 दिनों से मजदूर फंसे हुए हैं. सरकार मजदूरों को उस सुरंग से निकालने के लिए रेस्क्यू ऑपरेशन तो चला रही है. लेकिन अब तक उन्हें बाहर नहीं निकाला जा सका है. विशेषज्ञों की निगरानी में मजदूरों को वहां से निकालने के लिए हॉरिजॉन्टल और वर्टिकल ड्रिलिंग हो रही है. इस बीच हैदराबाद की एक रैली में पीएम मोदी ने देशवासियों से अपील की कि उन मजदूरों के लिए प्रार्थना करें.

हैदराबाद में पीएम मोदी ने कहा, फंसे हुए श्रमिकों की सुरक्षित वापसी सुनिश्चित करने के लिए सरकार लगातार प्रयास कर रही है. आज जब हम भगवान से प्रार्थना करते हैं और मानवता के कल्याण की बात करते हैं तो हमें अपनी प्रार्थना में उन श्रमिक भाइयों को भी शामिल करना चाहिए जो उत्तराखंड की एक सुरंग में फंसे हुए हैं.

प्रधानमंत्री ने कहा, सरकार और सभी एजेंसियां ?? मिलकर उन्हें बचाने के लिए हरसंभव प्रयास कर रही हैं. हालांकि, हमें इस रेस्क्यू ऑपरेशन को पूरी सावधानी के साथ पूरा करने की जरूरत है. इस ऑपरेशन में प्रकृति हमें चुनौती दे रही है, लेकिन हम मजबूती से खड़े हैं.

12 नवंबर को हुआ था सुरंग हादसा

आपको बता दें कि 12 नवंबर 2023 को सिल्कयारा से बारकोट तक निमार्णाधीन सुरंग में 60 मीटर हिस्से में मलबा गिरने से सुरंग ढह गई. फंसे हुए 41 मजदूरों को बचाने के लिए राज्य और केंद्र सरकारों द्वारा तत्काल संसाधन जुटाए गए. पांच एजेंसियों- ओएनजीसी, एसजेवीएनएल, आरवीएनएल, एनएच आईडीसीएल और टीएचडीसीएल को विशिष्ट जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं, जो परिचालन दक्षता के लिए सामयिक कार्य समायोजन के साथ मिलकर काम कर रही हैं.

श्रमिकों को लगातार भेजा जा रहा खाना

बताते चलें कि सुरंग के अंदर फंसे मजदूरों को सुरक्षित निकालने के प्रयासों के अलावा एक अन्य 6 मीटर की पाइपलाइन के जरिए श्रमिकों के लिए नियमित अंतराल पर सुरंग के अंदर ताजा पका हुआ भोजन और ताजे फल डाले जा रहे हैं. इस पाइपलाइन में नियमित अंतराल में संतरा, सेब, केला आदि फलों के साथ-साथ औषधियों एवं लवणों की

भी पर्याप्त आपूर्ति की जाती रही है. भविष्य के स्टॉक के लिए अतिरिक्त सूखा भोजन भी पहुंचाया जा रहा है. एसडीआरएफ द्वारा विकसित वायर कनेक्टिविटी युक्त संशोधित संचार प्रणाली का उपयोग संचार हेतु नियमित रूप से किया जा रहा है. अंदर मौजूद लोगों ने बताया है कि वे सुरक्षित हैं.

दोनों तरफ से खुदाई का काम

गौरतलब है कि रेस्क्यू ऑपरेशन के तहत अब वर्टिकल और हॉरिजॉन्टल दोनों तरफ से खुदाई का काम चल रहा है. पहाड़ के ऊपर से वर्टिकल ड्रिलिंग की जा रही है. वहीं, सुरंग के बाहर की तरफ से ही ऑगर मशीन के जरिए 60 मीटर तक पाइप डाला जा रहा था, जिसका कि 48 मीटर तक की खुदाई पूरी भी हो गई थी. लेकिन भारी चट्टान की वजह से ब्लेड टूट गए. उधर येलो अलर्ट जारी होने से बचावकर्मियों की मुश्किलें बढ़ी हैं. मौसम विभाग ने उत्तरकाशी में कई जगहों पर हल्की बारिश और बर्फबारी का अलर्ट जारी किया है

यूपी में मंदिर-मस्जिदों से हटाए गए अवैध लाउडस्पीकर, एक्शन में यूपी पुलिस

उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से जारी निर्देश के अनुसार यूपी पुलिस ने अवैध लाउडस्पीकर पर कड़ी कार्रवाई की है, पुलिस नेइबादतगाहों, मस्जिदों और धर्मस्थलों पर लगे अवैध लाउडस्पीकर हटाए।

उत्तर प्रदेश में सरकार के निदेर्शानुसार अवैध लाउडस्पीकर के विरुद्ध अभियान चलाया जा रहा है. जिसके तहत 23.11.2023 से22.12.2023 तक एक माह के बीच इस अभियान के जरिए प्रदेशभर के इबादतगाहों, मस्जिदों और धर्मस्थलों पर लगे अवैधलाऊडस्पीकर हटाए जाएंगे. इसी क्रम में आज सुबह पांच बजे से सात बजे तक प्रदेशव्यापी अभियान में मानकों के विपरीत पाये गये3238 लाउड स्पीकर हटवाये गये।

दरअसल उत्तर प्रदेश शासन ने अवैध लाउडस्पीकर और ध्वनि विस्तारक यंत्रों के विरुद्ध विशेष अभियान चलाए जाने के निर्देश दिए हैं. जिसके तहत प्रशासनिक वरिष्ठ अधिकारियों के नेतृत्व में आज सुबह 5 बजे से 7 बज तक अभियान के तहत कुल 3238 लाउड स्पीकरको हटाया गया. जो की मानकों के विपरीत पाए गए थे।

अवैध लाउडस्पीकर के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई

राज्य सरकार के निदेर्शानुसार पुलिस मुख्यालय उत्तर प्रदेश के निर्देशन में प्रदेश के समस्त जनपद और कमिश्नरेट में वरिष्ठ अधिकारियोंके नेतृत्व में सार्वजनिक स्थानों समेत धार्मिक स्थलों पर लगे अवैध लाउडस्पीकर और ध्वनि विस्तारक यंत्रों के विरुद्ध विशेष अभियानचलाकर कार्यवाही की गई. इस दौरान मानक के विपरीत और निर्धारित डेसीबल सीमा से अधिक चल रहे लाउडस्पीकर के विरुद्धकार्यवाही सुनिश्चित की गई।

61,399 लाउडस्पीकर को किया गया चेक

शासन की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार अधिकारियों की टीम ने सार्वजनिक और धार्मिक स्थलों पर चलाए जा रहे 61,399 लाउडस्पीकर को चेक किया गया. इस दौरान मानक के विपरीत पाए गए 7288 ध्वनि विस्तारक यंत्र और लाउडस्पीकर की आवाज कमकराकर मानक के अनुसार कराई गई. वहीं मानक के विपरीत निर्धारित डेसीबल सीमा से अधिक चल रहे 3238 लाउडस्पीकर कोहटवाया गया।

निर्धारित ध्वनि मानक सीमा का उल्लंघन करने पर होगी कार्रवाई

इसके साथ ही पुलिस टीमों ने निर्धारित ध्वनि मानक सीमा का उल्लंघन कर रहे लोगों को सचेत करते आवाज और ध्वनि विस्तारक यंत्रोंकी संख्या मानक के अनुसार रखने हेतु नोटिस प्रदान करते हुए कड़ी कार्यवाही की चेतावनी भी प्रदान की गई. फिलहाल पुलिसमुख्यालय उत्तर प्रदेश द्वारा उक्त विशेष अभियान व कार्यवाही की सम्यक मानिटरिंग और निरंतर अनुश्रवण सुनिश्चित किया गया।

इजरायल और हमास के बीच सीजफायर दो दिन और बढ़ा

करण वाणी, न्यूज

सीजफायर के तहत अब तक हमास 58 बंधकों को रिहा कर चुका है. इनमें इजरायल के 24 बंधक थे. बता दें कि दोनों पक्षों के बीच बीते शुक्रवार से चार दिन का संघर्षविराम शुरू हुआ था. इस सीजफायर के तहत हमास ने पहली खेप में 25 बंधकों को रिहा किया था.

कतर की मध्यस्थता से इजरायल और हमास के बीच हुए सीजफायर की अवधि अब दो दिन बढ़ा दी गई है. दोनों पक्षों के बीच चार दिनों के सीजफायर की अवधि सोमवार रात को खत्म हो रही थी लेकिन अब इसे दो दिन और बढ़ा दिया गया है.

इसके साथ ही मौजूदा सीजफायर के तहत बंधकों को रिहा किए जाने वाली नई लिस्ट भी तैयार कर ली गई है. कतर के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने सोशल मीडिया एक्स पर बताया कि इजरायल और हमास के बीच मौजूदा सीजफायर की अवधि को दो दिन और बढ़ाए जाने की अवधि बढ़ा दी गई है.

सीजफायर के तहत अब तक हमास 58 बंधकों को रिहा कर चुका है. इनमें इजरायल के 24 बंधक थे. बता दें कि दोनों पक्षों के बीच बीते शुक्रवार से चार दिन का संघर्षविराम शुरू हुआ था. इस सीजफायर के तहत हमास ने पहली खेप में 25 बंधकों को रिहा किया था.

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने बंधकों की रिहाई के लिए सीजफायर की अवधि को और दो दिनों तक बढ़ाने का समर्थन किया है. चार दिन तक चलने वाला सीजफायर बीते शुक्रवार से शुरू हुआ था.

सिर्फ इजरायली नागरिक ही नहीं हैं बंधक

हमास ने जिन लोगों को बंधक बनाया है, उनमें सिर्फ इजरायली नागरिक ही नहीं हैं. बल्कि दुनिया के कई देशों के नागरिक भी हैं. ज्यादातर बंधक वो हैं, जो 7 अक्टूबर को म्यूजिक फेस्टिवल में शामिल हुए थे. हमास ने यहीं से नागरिकों को बंधक बनाया था.

जानकारी के मुताबिक, हमास ने जिन देशों के नागरिकों को बंधक बनाया है, उनमें इजरायल के अलावा अमेरिका, थाईलैंड, जर्मनी, अर्जेंटिना, ब्रिटेन, फ्रांस, नीदरलैंड्स और पुर्तगाल के नागरिक भी शामिल हैं.

मरने वालों का आंकड़ा 12 हजार के पार

गाजा में हमास अधिकारियों के एक प्रवक्ता ने कहा कि स्कूल में 200 लोग मारे गए या घायल हुए. वहीं इजराइल की सेना ने कोई बयान नहीं दिया है. 7 अक्टूबर को इजरायल में हुए हमले के बाद इजरायल ने हमास को खत्म करने की कसम खाई थी, जिसमें उसके लड़ाकों ने 1,200 लोगों की हत्या कर दी थी और 240 लोगों को बंधक बना लिया था. हमास शासित गाजा पट्टी में अधिकारियों ने बताया कि मरने वालों की संख्या बढ़ाकर 12,300 कर हो गई है जिसमें 5,000 बच्चे भी शामिल हैं.

7 अक्टूबर से जारी है जंग

सात अक्टूबर को हमास ने गाजा पट्टी से इजरायल पर 5 हजार से ज्यादा रॉकेट दागकर हमला कर दिया था. इसके तुरंत बाद इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने हमास के खिलाफ जंग का ऐलान कर दिया था. इस जंग में गाजा पट्टी पूरी तरह से तबाह हो गई है।

इजरायल और हमास जंग में मरने वालों फिलिस्तीनी नागरिकों की संख्या 12 हजार से ज्यादा हो गई है. अब तक गाजा के 23 लाख में से आधे नागरिकों ने अपना घर छोड़ दिया है. हमास के लड़ाकों ने 200 से ज्यादा नागरिकों को बंधक बनाकर रखा है।

नींबू की खेती, मेहनत कम मुनाफा ज्यादा

नींबू की खेती करने वाले किसानों के लिए सबसे बड़ी बात ये है कि इसकी फसल को एक बार बोने के बाद कई सालों तक इससे मुनाफा कमा सकते हैं, इससे कम खर्च पर ज्यादा लाभ भी मिल जाता है, नींबू का पौधा एक बार लगाने के बाद लगभग 10 साल तक पैदावार देता है, एक बार इसको लगाने के बाद इसकी देखभाल करने की ही जरूरत होती है, जिसमें ज्यादा खर्च भी नही आता है, और इसकी पैदावार हर साल बढती ही जाती है, जिससे मुनाफा भी बढ़ता जाता है।

नींबू की खेती

भारत देश में नींबू का उत्पादन दुनिया भर में सबसे ज्यादा किया जाता है, आज नींबू का उपयोग हर क्षेत्र में हो रहा है, लेकिन नींबू का सबसे ज्यादा उपयोग खाने में किया जाता है, जिसमें आचार बनाने में इसका उपयोग प्रचुर मात्रा में किया जाता है, जबकि खाने के अलावा इसका उपयोग आज फार्मासिटिकल कंपनियां, कॉस्मेटिक कंपनियां, दैनिक जीवन में काम आने वाली वस्तुओं (साबुन, टूथपेस्ट, बर्तन साफ करने की साबुन) में भी किया जा रहा है।

नींबू का पौधा छोटा और सघन झाड़ीदार होता है. इसकी शाखाएं भी ज्यादा बड़ी नही होती है. साथ ही इसकी शाखाएं काटेंदार भी होती है. नींबू के फूल का रंग सफेद होता है. लेकिन जब नींबू पूरी तरह से पककर तैयार होता है उस टाइम इसका रंग पीला होता है. नींबू स्वाद में खट्टा होता है. जिस कारण इसका पी.एच. मान भी 2.4 होता है।

नींबू में विटामिन ए, बी और सी भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं. विटामिन सी की ज्यादा मात्र होने की वजह से नींबू को स्फूर्तिदायक और रोग निवारक फल भी माना जाता है. आज नींबू की कई तरह की किस्में विकसित की जा चुकी हैं. जिनसे बड़ी मात्रा में फल प्राप्त होते हैं. लेकिन देशी नींबू के पौधे आज भी ज्यादातर ग्रामीण लोगों के घरों में देखने को मिल जाते हैं।

उपयुक्त मिट्टी

नींबू को भारत के लगभग सभी हिस्सों में उगाया जा सकता है. लेकिन दक्षिण भारत में इसकी सबसे ज्यादा पैदावार होती है. नींबू के पौधे के लिए बलुई दोमट मिट्टी काफी उपयुक्त मानी गई है. इसके अलावा लाल लेटराईट मिट्टी और जिस मिट्टी का पी. एच. मान अम्लीय हो वहां भी इसे बड़ी मात्रा में उगाया जा सकता है. लेकिन इसके लिए तापमान का भी ध्यान रखना जरुरी होता है. क्योंकि सर्दियों का इस पर काफी ज्यादा प्रभाव पड़ता है।

जलवायु और तापमान

नींबू के पौधे के लिए जलवायु और तापमान दोनों का ही सबसे ज्यादा महत्व होता है. नींबू के पौधे को उपोष्ण कटिबन्धीय अर्ध शुष्क जलवायु वाले प्रदेशों में ज्यादा मात्रा में उगाया जाता है. और उष्ण जलवायु वाले प्रदेशों में दक्षिण भारत के ज्यादातर हिस्से आते हैं, जिस वजह से दक्षिण भारत में इसको सबसे बड़ी मात्रा में उगाया जाता है. इसके अलावा उत्तर भारत में इसको पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, बिहार, राजस्थान के भी कई हिस्सों में उगाया जाता है. पहाड़ी इलाकों में भी इसे अब आसानी से उगाया जा रहा है.

नींबू की खेती के लिए जितनी जलवायु और मिट्टी की उपयोगिता है, उससे कहीं ज्यादा इसके लिए तापमान की जरूरत है. क्योंकि जिन प्रदेशों में सर्दी ज्यादा टाइम तक बनी रहती है और पाला पड़ने की सबसे ज्यादा संभावना होती है, वहां इसकी खेती नही की जा सकती. पाला पड़ने की वजह से नींबू के पौधे को सबसे ज्यादा नुक्सान पहुँचता है. जिसका असर पैदावार पर तो देखने को मिलता ही है, साथ में पौधे के नष्ट होने की संभावना सबसे ज्यादा होती है।

नींबू की उन्नत किस्में

भारत में नींबू की कई किस्में पाई जाती हैं, जिनमें कागजी नींबू, प्रमालिनी, विक्रम, चक्रधर, पी के एम-1 और साईं शर्बती सबसे ज्यादा पसंद की जाने वाली किस्में है. भारत में इन किस्मों को सबसे ज्यादा मात्रा में उगाया जाता हैं।

कागजी नींबू

कागजी नींबू को भारत में बड़े पैमाने पर उगते हैं. साथ ही इसको सबसे महत्वपूर्ण किस्म भी माना जाता है. कागजी नींबू को खट्टे नींबू का पर्याय भी माना जाता है. कागजी नींबू में रस की मात्र 52% मानी जाती है. व्यापारिक रूप से इसकी फसल काफी कम बोई जाती है.

प्रमालिनी

नींबू की इस किस्म को व्यापारिक महत्व के लिए बड़ी मात्रा में बोया जाता है. प्रमालिनी किस्म का नींबू गुच्छों में लगता है. जिस कारण इसकी पैदावार कागजी नींबू से 30% ज्यादा होती है. इसके एक गुच्छे में 3 से 7 नींबू पाए जाते हैं. जबकि इसके फलों में रस की मात्रा 57% तक पाई जाती है।

विक्रम किस्म का नींबू

व्यापारिक रूप से विक्रम किस्म भी काफी उपयुक्त हैं. इस किस्म के पौधों में भी फल गुच्छों के रूप में ही लगते हैं. लेकिन विक्रम किस्म प्रमालिनी से ज्यादा फल देती है. इसके एक गुच्छे में 5 से 10 तक नींबू पाए जाते हैं. इस किस्म में बेमौसमी फल भी आते हैं. जिस कारण इस किस्म के पेड़ पर पूरे साल नींबू देखे जा सकते हैं. इन्हें पंजाब में पंजाबी बारहमासी के नाम से भी जाना जाता है।

चक्रधर

चक्रधर किस्म का नींबू अपने खट्टे स्वाद के साथ साथ बीज रहित होने की वजह से भी जाना जाता है. इस किस्म का पौधा अपने चौथे साल में फल देने के लिए तैयार हो जाता है. इस किस्म के फलों में रस की मात्रा सबसे ज्यादा 60 से 66% तक पाई जाती है।

पी के एम-1

व्यापारिक लाभ को देखते हुए इसे भी बड़ी मात्र में उगाया जाता है. इसमें भी रस की मात्रा 52% तक पाई जाती है. इसके फल का आकार काफी बड़ा होता है।

साई शरबती

इस किस्म को असम जैसे पहाड़ी इलाकों में बड़ी मात्रा में उगाया जाता है. इस किस्म के पौधे सबसे ज्यादा फल देने के लिए जाने जाते है. जिनका उत्पादन अन्य किस्मों से दुगना होता है. इसके अलावा इस किस्म के नींबू भी बीज रहित ही पाए जाते हैं. और इनका छिलका काफी पतला होता है।

खेत की जुताई

नींबू की पैदावार करने के लिए शुरूआत में खेतों को अच्छे से जोत ले, जिससे खेत समतल हो जाए और बारिश के पानी का भराव भी ना हो पाए. जैसा की हमने पहले बताया की इसकी पैदावार भारत के सभी हिस्सों में की जा सकती हैं. इस कारण इसे पहाड़ी इलाकों में लगाने के लिए बड़ी सावधानी की जरूरत होती है. पहाड़ीनुमा खेती में लगाते टाइम इसे मेंड़ पर लगाये।

खेत की जुताई

नींबू का पौधा एक बार में लगभग 10 साल से ज्यादा के टाइम के लिए लगाया जाता है, जिस कारण इसके खेत की जुताई एक बार ही की जाती है, लेकिन पौधे के लगाने के बाद इसकी नीलाई और गुड़ाई करनी काफी जरूरी होती है।

जमीन की जुताई करने के बाद खेत में गोबर की खाद डाल दें. जिसके बाद खेत की फिर से अच्छे से जुताई कर दें. और उसके बाद खेत को पौधे की रुपाई के लिए तैयार होने के लिए छोड़ दें. और जब पौधा लगाने का टाइम आयें उस वक्त उचित दूरी बनाते हुए खेत में गड्ढे बना दें।

पौधे की रुपाई का टाइम

खेत के तैयार हो जाने के बाद पौधे की रुपाई की जाती है. इसके लिए किसान भाई तैयार की हुई पौध लाकर उगा सकते हैं. इसके अलावा बीज से भी नई पौध तैयार कर उसे भी खेत में उगा सकते हैं. इसके लिए उन्नत किस्म के नींबू का बीज होना जरूरी होता है. लेकिन बीज लगाने पर मेहनत और टाइम दोनों बढ़ जाते हैं। नींबू के पौधे को खेत में लगाने के लिए जून से अगस्त का टाइम सबसे उपयुक्त माना गया है. क्योंकि इन दिनों बारिश का मौसम होता है. और पौधा काफी जल्दी तैयार होने लगता है. नींबू का पौधा लगाने के लगभग तीन से चार साल बाद ही फल देने के लिए तैयार होता है।

नींबू के पौधे को खेत में एक लाइन से लगभग 10 फिट की दूरी पर लगाए. लेकिन पौधे को लगाते टाइम उसके गड्ढे का आकार 60 सेंटीमीटर गहरा और 70 से 80 सेंटीमीटर चौड़ा होना चाहिए. एक हेक्टेयर में लगभग 600 पौधे लगाये जा सकते हैं।

ऊपरी कमाई

नींबू का पौधा चार साल में बनकर तैयार होता है. लेकिन इस बीच किसान भाई बीच में बची हुई जमीन में सब्जी या कपास जैसी फसल कर अन्य कमाई कर सकता है. जिससे तीन साल तक किसान भाई की खेत से उचित कमाई भी हो जाती है. लेकिन अन्य फसल बोते टाइम किसान भाई को खास ध्यान रखना होता है कि अगर वो बेलदार फसल उगाता है तो फसल की बेल पौधे पर नही चढ़नी चाहिए. क्योंकि इससे पौधे का विकास रुक जाता है. जिससे फल लगने में और भी ज्यादा वक्त लग सकता है.

पौधे की सिचाई

नींबू की फसल को ज्यादा सिंचाई की जरूरत नही होती. लेकिन हर बार सिंचाई में पानी इतनी ही मात्रा में देना चाहिए, जिससे भूमि में पानी की नमी 4-6 प्रतिशत तक बनी रहे. जिसके लिए इसकी सिंचाई एक नियमित अंतराल पर ही की जानी चाहिए. लेकिन सर्दियों में फसल को सर्दी से बचने के लिए सप्ताह में एक बार पानी जरुर देना चाहिए. जब पौधा तीन या चार साल बाद बनकर तैयार हो जात हैं. और फल देना शुरू कर देता है, उस टाइम पौधे को पानी की जरुरत काफी ज्यादा होती है. इसलिए जब पौधे पर फूल खिलने लगे तो उसमें पानी की कमी ना होने दे. लेकिन ज्यादा पानी भी पौधे को ना दें, क्योंकि इससे पौधे की जड़ें खराब हो जाती है. जिसका असर पौधे से मिलने वाली पैदावार पर ज्यादा देखने को मिलता है।

पौधे का रखरखाव और सुरक्षा

पौधे को खेत में लगाने के बाद उसका रखरखाव करना काफी कठिन होता है. क्योंकि नींबू के पौधे को आवारा और जंगली पशु खा सकते हैं. जिनमें बकरी का सबसे ज्यादा ध्यान रखना चाहिए. क्योंकि बकरी के खाने के बाद पौधे का विकास रुक जाता है. बकरी में मुख से निकलने वाली लार के कारण पौधे को तैयार होने में एक साल ज्यादा का टाइम और लगता है।जब पौधा बड़ा हो जाए तो उसकी गुड़ाई हमेशा तीन चार महीने के अंतराल में हलकी हलकी करनी चाहिए. लेकिन एक साल में पेड की जड़ों की मिट्टी निकालकर उसमें देशी खाद भर देना चाहिए. इसके साथ ही जब पौधे पर फूल या फल ना हो उस टाइम पेड की सुखी हुई शाखाओं को हटा देना चाहिए. शाखाओं को अधिकांशत गर्मियों के मौसम में ही हटायें।

पौधों को लगने वाले रोग और उनका उपाय

नींबू के पौधें में काफी तरह के रोग लगते हैं. जिनमें कैंकर, गोंद रिसाव और एन्थेकनोज मुख्य रोग माने जाते हैं. कैंकर के रोग के नियंत्रण के लिए स्ट्रेप्टोमाइसीन सल्फेट का छिडकाव 15 दिन में दो बार कर देने से पौधे को काफी फायदा मिलता है. जबकि एन्थेकनोज के लिए बोर्डो मिश्रण का छिडकाव कर दें. लेकिन इन मुख्य रोग के अलावा और भी कई रोग नींबू में पाए जाते हैं जो कीटों की वजह से होते है।

रस चूसने वाले कीट

सिटरस सिल्ला, सुरंगी कीट, चेपा ये कुछ ऐसे किट है जो पेड़ की शाखाओं और पत्तियों का रस चूसकर उन्हें खतम कर देते हैं. जिसकी वजह से पौधे की पत्तियां काफी विकृत नजर आती हैं. सिटरस सिल्ला और सुरंगी कीट की रोकथाम के लिए मोनोक्रोटोफॉस का छिडकाव पौधों पर के देना चाहिए, इसके अलावा इन कीटों की वजह से अगर पौधे की शाखाएं सुख जाए तो उन्हें काटकर जला दें, ताकि रोग आगे ना बढ़ सके।

गोंद रिसाव

गोंद रिसाव का रोग ज्यादा पानी भरे रहने की वजह से ज्यादा होता है. जिस कारण पौधे की जड़ गलने लगती है. और पौधे का रंग पीला पड़ने लगता है. धीरे धीरे पूरा पौधा ही नष्ट हो जाता है. इससे बचाव के लिए पानी का नियंत्रण होना जरूरी है. इसके अलावा मिट्टी में 0.2% मैटालैक्सिल, टे-72 + 0.5% और ट्राइकोडरमा विराइड को मिट्टी में डालने पर लाभ मिलता है।

काले धब्बे

काले धब्बे का रोग फल को लगता है. जिस कारण नींबू पर कुछ काले धब्बे नजर आने लगते है. जिसके लिए पेड़ को शुरूआत में भी पानी से साफ कर देना चाहिए. आगे ऐसा ना करते है तो बाद में नींबू पर इनकी संख्या बढ़ने लग जाती है. जिसे धफड़ी रोग कहते हैं. इससे नींबू पर सलेटी रंग की एक परत बन जाती है. इसके प्रभाव से नींबू तैयार होने के साथ ही खराब होने लगता है. इसके बचाव के लिए सफेद तेल और कॉपर को मिक्स करके पानी में मिलाकर छिडकाव करना चाहिए।

पत्तियों में सफेद धब्बे का रोग

इस रोग में नींबू के पौधों के ऊपरी भाग पर सफेद रुई की तरह डब्बे दिखाई देने लगते हैं. जिस कारण पौधे के पत्ते पीले होने लगते हैं और वो धीरे धीरे मुड़ने लगते हैं. साथ ही पत्तियों पर कई विकृत लेने बन्ने लगती है. इस रोग की वजह से पत्तियों का उपरी भाग सबसे ज्यादा प्रभावित होता हैं. और नए फल तैयार होने से पहले ही खराब होकर गिर जाते हैं. इस तरह के रोग से बचाव के लिए जब इस रोग की शुरूआत हो तभी रोग लगी इन पत्तियों को हटाकर उन्हें जला दे. और यदि रोग ज्यादा बढ़ जाए तो कार्बेनडाजिम की स्प्रे सात दिनों के अंतराल में तीन बार करें।

जिंक और आयरन की कमी

पौधे में जिंक और आयरन की कमी की वजह से पौधे की पत्तियों का रन पीले रंग का होने लगता है. जिसके बाद जल्द ही पत्तियां गिरने लग जाती हैं. और पौधा धीरे धीरे झाड़ियों के रूप में दिखाई देने लगता हैं, इस तरह के रोग के बचाव के लिए पौधे को देशी खाद देना जरूरी होता है. इसके अलावा 10 लीटर पानी में 2 चम्मच जिंक घोलकर डालने से फायदा होता है।

पौधे को उर्वरक की मात्रा

पौधे को खेत में लगाने के बाद किसी अन्य खाद से ज्यादा देशी गोबर के खाद का ज्यादा इस्तेमाल करना चाहिए. शुरूआती साल में पौधे को 5 किलो देशी गोबर की खाद दें. जिसके बाद दूसरे साल 10 किलों खाद दे. और जब पौधे में फल आने लगे तब 15 किलो गोबर की खाद दे. और अगर गोबर की खाद के अलावा मुर्गे की बिट वाला खाद हो तो वो फल के लिए सबसे उपयुक्त माना जाता है।

बॉक्स ऑफिस पर रेंग-रेंगकर चल रही सलमान-कैटरीना की फिल्म

करण वाणी, न्यूज

सलमान खान और कटरीना कैफ की फिल्म 'टाइगर 3' लगातार चर्चा में है। यह फिल्म दिवाली के मौके पर 12 नवंबर को रिलीज हुई थी। यह फिल्म दर्शकों को खूब पसंद आ रही है। अच्छी ओपनिंग के बाद फिल्म की कमाई में लगातार गिरावट नजर आई है। फिल्म ने दमदार ओपनिंग की और इसने एक हफ्ते में बॉक्स ऑफिस पर 200 करोड़ से ज्यादा का कलेक्शन कर लिया था। वहीं, हाल ही रिलीज हुई फिल्म 'खिचड़ी 2' बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सकी है। 'टाइगर 3' की आंधी के आगे 'खिचड़ी 2' अपने आप को टिकाने में कामयाब रही है। इन दोनों फिल्मों के अलावा, 12वीं फेल को अब भी दर्शकों का पूरा समर्थन मिल रहा है। तो चलिए जानते हैं कि रविवार को वर्ल्ड कप 2023 फाइनल मैच के बीच किस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर कितना कलेक्शन किया है।

टाइगर 3

वीकडेज पर गिरावट के बाद सलमान खान की फिल्म की कमाई ने आठवें दिन उछाल देखने को मिला। शनिवार को फिल्म का कलेक्शन 18.5 करोड़ का कारोबार किया था। वहीं, रविवार को भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया का फाइनल मुकाबले के चलते फिल्म की कमाई पर भारी असर पड़ा है।

सलमान खान की फिल्म के कलेक्शन में आठवें दिन एक बार फिर से घाटा देखने को मिला है। रविवार को वर्ल्ड कप 2023 फाइनल मैच के बीच 'टाइगर 3' ने 10 करोड़ 25 लाख का कलेक्शन किया है। इसके साथ ही फिल्म की कुल कमाई 229.65 करोड़ हो गई

खिचड़ी 2

कॉमेडी फिल्म 'खिचड़ी 2' ने शुक्रवार, 17 नवंबर को सिनेमाघरों में दस्तक दी थी। फिल्म ऑडियंस को सिनेमाघरों तक खींचकर लाने में काफी मेहनत कर रही है। ओपनिंग डे पर फिल्म ने 1.1 करोड़ का कलेक्शन किया था। वहीं, दूसरे दिन फिल्म ने शनिवार को 1.35 करोड़ का शानदार कलेक्शन किया। वहीं, ताजा आंकड़ों के अनुसार फिल्म ने तीसरे दिन 60 लाख का कलेक्शन किया है। इसके साथ ही फिल्म की कुल कमाई 3.05 करोड़ हो गई है।

12वीं फेल

विक्रांत मैसी की फिल्म 12वीं फेल दर्शकों का दिल जीतने में पूरे अंकों के साथ पास हो चुकी है। बॉक्स ऑफिस पर यह फिल्म अब भी अपने पैर टिकाए हुए हैं। शनिवार को 23वें दिन फिल्म ने एक करोड़ 55 लाख का कलेक्शन किया थी। वहीं, 24वें दिन रविवार को फिल्म ने एक करोड़ 70 लाख का कलेक्शन किया है। 12वीं फेल ने अब तक 39.10 करोड़ का कलेक्शन किया है।

DNM GROUP OF INSTITUTIONS
LUCKNOW
पॉलिटेक्निक
डी. फार्मा
बी.ए.
बी.एस.सी
Admission Open
7880341111
www.dnmiet.ac.in
एन.एच.25-ए,कटी बगिया (साई मंदिर के पास), बंथरा, कानपुर रोड, लखनऊ

करण वाणी समाचार पत्र के ऑफिस पहुँचे कैबिनेट मंत्री धरमपाल सिंह, गिनाई सरकार की उपलब्धियां

गाय एवं कृषि एक दूसरे के पूरक हैं: धर्मपाल सिंह

करण वाणी, न्यूज

लखनऊ। पशुधन एवं दुग्ध विकास मंत्री धर्मपाल सिंह बंथरा स्थित जुनाब गंज में करण वाणी, समाचार पत्र के ऑफिस पहुँचे, करण वाणी के संपादक पंकज सिंह ने मंत्री का अभिवादन किया, मंत्री ने कहा पत्रकार लोकतंत्र का चौथा स्तम्भ हैं, जो सामाजिक कुरीतियाँ को उजागर करने व इसके उत्थान में अहम भूमिका निभाते हैं। समय समय पर पत्रकारों के बीच चर्चा होनी चाहिए।

करण वाणी से बातचीत के दौरान मंत्री ने कहा कि यूपी में गो संरक्षण पर काम किया जा रहा है, सरकार की तमाम योजना हैं, जिसमेंगाय की नस्ल सुधार पर काम किया जा रहा है, उन्होंने कहा कि हर गोशाला में सीसीटीवी लगाए जाएंगे, गाय की खुराक 30 रुपये सेबढ़ाकर 50 रुपये किए हैं, सीएम योगी गोभक्त हैं, वो गाय संरक्षण का काम करते हैं, देशी गाय का दूध अमृत है। देश की सनातनपरम्परा में कृषि, ऋषि और गाय का महत्वपूर्ण स्थान है। गाय हमारी आर्थिक ऊर्जा का स्रोत है, ऋषि और कृषि जीवन यापन, व्यवस्था, आस्था एवं सभ्यता के द्योतक हैं। इसलिए वर्तमान परिस्थितियों में देश की उन्नति एवं प्रगति में गौ आधारित कृषि का महत्वपूर्ण योगदानहै। गाय एवं कृषि एक दूसरे के पूरक हैं, कृषि है तो गाय है, गाय है तो कृषि है। पशुधन मंत्री ने कहा कि गावो

विश्वस्य मातरः अर्थातगाय सम्पूर्ण विश्व की माता है, इसलिए हम सबको गौ माता की सेवा का संकल्प लेना चाहिए।

वहीं मंत्री जी ने किसानों पर बात करते हुए कहा कि हमारी सरकार किसानों के हितों को प्राथमिकता देते हुए कार्य कर रही है, किसानोंकी आमदनी बढ़े इसके लिए प्रभावी प्रयास किए जा रहे हैं। किसान सम्मान निधि योजना भी किसानों को राहत देने का काम कर रही है। पूर्व कीसरकारों ने किसानों के साथ सिर्फ छलावा किया है, जबकि भाजपा सरकार में किसानों की स्थिति में सुधार हुआ है। बेहतर कृषि नीतिका ही परिणाम है कि किसान खुशहाल है।

भजन कीर्तन के साथ शुरू हुआ श्री राणी सती दादी जी का महोत्सव

करण वाणी, न्यूज

बाराबंकी। ग्राम्यांचल महाविद्यालय हैदरगढ़ में श्री राणी सती दादी जी का महोत्सव का आयोजन हर्षोल्लास के साथ किया गया। जिसमेंबीजेपी की प्रदेश महामंत्री व पूर्व सांसद प्रियंका सिंह रावत ने पहुंच कर हवन पूजन कार्यक्रम में शिरकत कर जनपदवासियों के कुशलमंगल की कामना की।

इस अवसर पर कार्यक्रम में भजन कीर्तन का आयोजन किया गया, भजन के दौरान मौके पर मौजूद सभी लोगों को झूमते हुए देखा गया।इस बीच स्थानीय कलाकरों ने भी कई भजन प्रस्तुत किए। समिति के सदस्यों के मुताबिक हर साल उपरोक्त कार्यक्रम को भव्यता केसाथ किया जाता है। उक्त कार्यक्रम में उनके साथ बड़ी संख्या में पदाधिकारी व क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

कवि अंजनी अग्रवाल ओजस्वी विद्या वाचस्पति मानद उपाधि से सम्मानित

कानपुर (करण वाणी, न्यूज)। की मशहूर कवयित्री अंजनी अग्रवाल ह्यओजस्वीह्य को मिला विद्या वाचस्पति (मानद उपाधि) का सम्मान। कवयित्री अंजनी कोउनके साहित्य में उत्कृष्ट कार्य के लिए ये सम्मान प्राप्त हुआ है।

कवयित्री अंजनी अग्रवाल को सभी विधाओं में लेखन की महारत हासिल है। वह बेहतरीन लेखिका के साथ साथ नवाचारी कुशल शिक्षिका भी है, जिसके लिए भी उन्हें सिर्फ जनपद से ही नही बल्कि पूरे प्रदेश से सम्मान प्राप्त हो चुके हैं, अभी तक साहित्य के क्षेत्र मेंसौ से भी अधिक सम्मान प्राप्त कर चुकी हैं और कई सारी पुस्तकों का संपादन भी कर चुकी हैं। सुश्री अंजनी की अनेकों साझा संकलनभी प्रकाशित हो चुके हैं।

कुशल व्यक्तित्व मृदुल स्वभाव की धनी साहित्यकारा अंजनी किसी परिचय की मोहताज नहीं है। विभिन्न मंचों में भी अपनी कविता पाठकरके प्रस्तुति भी दे रही हैं।

प्रधानमंत्री आयुष भारत हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर मिशन से जुड़ी परियोजनाओं को उत्तर प्रदेश में गति देगी योगी सरकार

▶▶पीएम एबीएचआईएम व 15वें फाइनेंस कमीशन से जुड़ी योजनाओं के संचालन व पूर्ति पर प्रदेश सरकार का जोर

▶▶परियोजनाओं की पूर्ति और निरीक्षण के लिए प्रोजेक्ट मैनेजमेंट यूनिट का होगा चयन, रिक्वेस्ट फॉर प्रपोजल माध्यम से मांगे गए हैं आवेदन

करण वाणी, न्यूज

लखनऊ। उत्तर प्रदेश को ह्यउत्तम स्वास्थ्य सेवाओं से युक्त प्रदेशह्य बनाने की दिशा में सीएम योगी द्वारा उठाए जा रहे सार्थक प्रयास अब रंगलाने लगे हैं। प्रदेश के अस्पतालों के मेकओवर, अपडेशन व मॉडर्न फैसिलिटीज से लैस करने की प्रक्रिया निरंतर जारी है। उल्लेखनीय हैकि सीएम योगी की अध्यक्षता में प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं के सुधार के लिए सरकारी अस्पतालों के उच्चीकरण के लिए एक विस्तृत कार्य योजना तैयार की गई थी जिसके क्रियान्वयन की प्रक्रिया शुरू हो गई है। वहीं, प्रदेश में ज्यादा से ज्यादा आमजन तक नेशनल हेल्थमिशन व पीएम हेल्थकेयर स्कीम्स का लाभ पहुंचे इस दिशा में भी लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में अब प्रदेश में योगीसरकार ने प्रधानमंत्री आयुष भारत हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर मिशन (पीएम एबीएचआईएम) व 15वें फाइनेंस कमीशन से जुड़ी योजनाओं को पूर्ण करने की दिशा में कदम बढ़ा दिए हैं। सीएम योगी की मंशा अनुसार, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग नेपीएम एबीएचएम व 15वें फाइनेंस कमीशन से जुड़ी परियोजनाओं को पूर्ण करने के लिए तैयारियां शुरू कर दी हैं। इन परियोजनाओंकी पूर्ति व निरीक्षण को सुनिश्चित करने के लिए बाकायदा प्रोजेक्ट मैनेजमेंट यूनिट के तौर पर एजेंसियों का चयन होगा तथा इस चयनप्रक्रिया को पूर्ण करने के लिए विभाग द्वारा रिक्वेस्ट फॉर प्रपोजल (आरएफपी) माध्यम के जरिए आवेदन मांगे गए हैं।

आयुष्मान भारत हेल्थ वेलनेस सेंटर्स, क्रिटिकल केयर हॉस्पिटल्स समेत तमाम परियोजनाओं पर हो रहा काम

नेशनल हेल्थ मिशन के अंतर्गत प्रदेश में पीएमझ्रएबीएचआईएम व व 15वें फाइनेंस कमीशन से जुड़ी तमाम परियोजनाओं पर प्रदेश मेंकाम हो रहा है। इसमें सेंट्रली स्पॉन्सर्ड स्कीम के अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में कुल 17788 आयुष्मान भारत हेल्थ वेलनेस सेंटर्स का उत्तरप्रदेश, बिहार, झारखंड, ओडिशा, पंजाब, राजस्थान, पश्चिम बंगाल, असम, मणिपुर व मेघालय में निर्माण व संचालन की प्रक्रिया जारीहै। वहीं शहरी क्षेत्रों में भी 11044 आयुष्मान भारत हेल्थ वेलनेस सेंटर्स के निर्माण व संचालन की प्रक्रिया जारी है। इसी प्रकार, उत्तरप्रदेश समेत हाई फोकस स्टेट्स में 3382 ब्लॉक पब्लिक हेल्थ युनिट्स को सहायता व अनुदान देने की प्रक्रिया जारी है। इसी प्रक्रार, क्रिटकल केयर हॉस्पिटल्स, इंटीग्रेटेड डिस्ट्रिक्ट पब्लिक हेल्थ लैबोरेट्रीज, संक्रामक व संचारी रोगों के प्रसार की मॉनिटरिंग व इंटीग्रेटेडहेल्थ इनफॉर्मेशन प्लैटफॉर्म (आईएचआईपी) जैसी परियोजनाओं पर भी कार्य चल रहा है। उल्लेखनीय है कि केंद्र सरकार द्वारा उत्तरप्रदेश को वित्तीय वर्ष 2021-22 से 2025-26 के मध्य 5 वर्षों में कुल 9715.74 करोड़ रुपए का आवंटन इन सभी परियोजनाओं कीपूर्ति के लिए किया जा रहा है। ऐसे में, लखनऊ स्थित नेशनल हेल्थ मिशनझ्रयूपी द्वारा आरएफपी माध्यम से जिन एजेंसियों से आवेदनमांगे गए हैं उनमें से जिस एजेंसी को कार्य आवंटित किया जाएगा वह विभाग के मुख्यालय में प्रोजेक्ट मैनेजमेंट यूनिट का गठन वसंचालन करेगा जिससे प्रदेश भर में संचालित हो रही योजनाओं के निर्धारण, निरीक्षण व संचालन की प्रक्रिया में तेजी आएगी।

प्रोजेक्ट मैनेजमेंट यूनिट पर होगा बड़ा दारोमदार

एनएचएमझ्रयूपी की सहायता के लिए जिस एजेंसी को प्रोजेक्ट मैनेजमेंट यूनिट के रूप में शामिल किया जाएगा उस पर बड़ा दारोमदारहोगा। अनुबंध अवधि के दौरान उसे भारत सरकार/एनएचएम वित्त पोषित निर्माण गतिविधि के तहत कार्यान्वयन भागीदारों द्वारा दी गईसेवाओं की भौतिक प्रगति और गुणवत्ता की निगरानी के लिए निगरानी तंत्र और रिपोर्टिंग टेम्पलेट तैयार करना होगा। प्रोजेक्ट मैनेजमेंटयूनिट कोझ्रऑर्डिनेशन, फील्ड विजिट, आईटी बेस्ट मॉनिटरिंग पोर्टल्स व डैशबोर्ड के गठन व संचालन तथा डाटा संकलन व प्रेजेंटेशनप्रस्तुत करने का विधिवत तंत्र भी विकसित करना होगा। इस संबंध में उचित जनशक्ति भी आबद्ध करना होगा जिसमें एक टीम लीडर, एक क्वॉलिटी स्पेशलिस्ट, एक राज्य स्तरीय सिविल इंजीनियर, एक ज्योग्राफिक इनफॉर्मेशन स्पेशलिस्ट, एक हॉस्पिटल प्लानर, एकमाइक्रोबायोलॉजी स्पेशलिस्ट, पैथोलॉजिस्ट, एक डिजाइन व आर्किटेक्चर लीड, दो आईटी एक्सपर्ट, एक इलेक्ट्रिकल इंजीनि?र, 6 डाटा एनालिस्ट व मॉनिटरिंगझ्रइवैल्यूएशन एक्सपर्ट, एक फाइनेंस स्पेशलिस्ट, 18 डिवीजन लेवल सिविल इंजीनियर्स तथा सिस्टमस्पेशलिस्ट (जीआईएस) प्रमुख होंगे।

बिना वीजा विदेश यात्रा! मलेशिया ने भारतीयों को दिया 30 दिनों का बड़ा तोहफा!

करण वाणी, न्यूज

मलेशिया ने अपने पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए बड़ा कदम उठाया है. प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम ने घोषणा की है कि भारतीयों को देश में बिना वीजा एंट्री दी जाएगी. भारतीय 1 दिसंबर से 30 दिनों तक मलेशिया में बिना वीजा के रह सकते हैं.

मलेशिया ने भारत के लोगों को वीजा फ्री एंट्री देने की घोषणा की है. मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम ने कहा है कि भारत के साथ-साथ चीन के नागरिक मलेशिया में 30 दिनों तक बिना वीजा के रह सकते हैं. 30 दिनों की वीजा फ्री एंट्री 1 दिसंबर से शुरू हो रही है.

मलेशियाई प्रधानमंत्री अनवर ने रविवार देर रात अपनी पार्टी पीपुल्स जस्टिस पार्टी कांग्रेस में एक भाषण के दौरान यह घोषणा की. समाचार एजेंसी रॉयटर्स की एक रिपोर्ट के मुताबिक, हालांकि, अनवर ने यह नहीं बताया कि वीजा फ्री एंट्री का 30 दिनों का यह नियम कितने समय तक लागू रहेगा.

चीन और भारत मलेशिया के लिए शीर्ष बाजारों में से एक हैं. चीन जहां मलेशिया का चौथा सबसे बड़ा बाजार है वहीं, भारत पांचवां सबसे बड़ा बाजार है.

भारत, चीन से लाखों की संख्या में मलेशिया जाते हैं लोग

सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, मलेशिया में इस साल जनवरी से जून के बीच 90 लाख 16 हजार पर्यटक आए, जिनमें चीन से 4 लाख 98 हजार 540 और भारत से 2 लाख 83 हजार 885 पर्यटक आए. महामारी से पहले, 2019 की इसी अवधि में चीन से 15 लाख लोग और भारत से 3 लाख 54 हजार 486 लोग मलेशिया पर्यटन के लिए गए.

पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए मलेशिया ने उठाया कदम

मलेशिया ने वीजा फ्री एंट्री का यह कदम इसलिए उठाया है ताकि देश में पर्यटकों की संख्या बढ़े और कोविड के दौरान और बाद में भारत और चीनी पर्यटकों की जो संख्या घट गई है, उसे बढ़ाया जाए.

मलेशिया से पहले उसके पड़ोसी देश थाईलैंड ने भी देश में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए ऐसा ही एक कदम उठाया था. थाईलैंड की अर्थव्यवस्था में पर्यटन का बड़ा योगदान है लेकिन कोविड के कारण उसके पर्यटन सेक्टर को बड़ा धक्का लगा है. पर्यटन सेक्टर को पुनर्जीवित करने के लिए थाईलैंड ने भारत, चीन समेत कई देशों के नागरिकों

को वीजा फ्री एंट्री देना शुरू किया है.

थाईलैंड ने नवंबर की शुरूआत में घोषणा की थी कि भारतीय 10 नवंबर 2023 से लेकर 10 मई 2024 तक 30 दिनों के लिए वीजा फ्री एंट्री कर सकते हैं.

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक सीमा सिंह द्वारा प्वांइट ऑफसेट, 86/98 कुर्मी टोला गुरुगोविन्द सिंह मार्ग, लालकुआं, लखनऊ-226018 से मुद्रित एंव पहाड़पुर, पोस्ट बंथरा, लखनऊ-226401 (उ.प्र.) से प्रकाशित।
सम्पादक- पंकज सिंह मो- 9415067370 E-mail:-karnvaninews@gmail.com website:- www.karnvaninews.com RNI-UPHIN/2016/74800